भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 4857
दिनांक 01 अप्रैल, 2025 के लिए प्रश्न

पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम

4857. श्री निलेश ज्ञानदेव लंकेः
प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ः
श्री भास्कर मुरलीधर भगरेः
श्री संजय दिना पाटीलः
श्रीमती सुप्रिया सुलेः
डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हेः
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटीलः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या संशोधित पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) ने खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) और ब्रुसेलोसिस जैसे प्रमुख पशुधन संबंधी रोगों के प्रसार को प्रभावी रूप से कम कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन के बावजूद विगत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में सामने आए रोग के प्रकोपों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एलएचडीसीपी के अंतर्गत टीकाकरण अभियान महाराष्ट्र के सभी ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों तक पहुंच रहा है;

(घ) इस कार्यक्रम के अंतर्गत पशु चिकित्सा संबंधी टीकों की गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या महाराष्ट्र, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा अस्पतालों, औषधालयों और चल पशु चिकित्सा इकाइयों की कमी है;

(च) वर्तमान में देश में पशु-चिकित्सक-पशुधन का अनुपात क्या है और क्या यह अनुशंसित मानकों को पूरा करता है;

(छ) क्या सरकार ने रोग नियंत्रण उपायों को सुदृढ़ करने के लिए पर्याप्त पशु चिकित्सा पेशेवरों की भर्ती करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कदम उठाए हैं; और

(ज) एलएचडीसीपी के अंतर्गत दवाओं, टीकों और नैदानिक सुविधाओं की समयोचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) के अंतर्गत टीकाकरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन ने पशुधन के प्रमुख रोगों के प्रसार को प्रभावी रुप से कम किया है। एलएचडीसीपी के तहत देश में संचयी रुप से लगभग 112 करोड़ खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) टीके, 4.57 करोड़ ब्रुसेला टीके, 25.36 करोड़ पेस्टे डेस पेटिट्स (PPR) टीके और 76.24 लाख क्लासिकल स्वाइन फीवर (CSF) के टीके लगाए गए हैं। टीकाकरण के बाद औसत एंटीबॉडी टाइटर में सुधार, प्रतिरक्षा (immunity) में वृद्धि और इस प्रकार रोग के प्रकोप में कमी का संकेत देता है। एफएमडी के प्रकोपों की संख्या वर्ष 2019 में 132 से घटकर वर्ष 2024 में 63 हो गई है (जून, 2024 तक) इसी तरह, ब्रुसेलोसिस का प्रकोप वर्ष 2019 में 20 से घटकर वर्ष 2024 में 3 (जून 2024 तक) रह गया है।

(ख) राज्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र में पिछले तीन वर्षों में एफएमडी के 15 प्रकोप यानी वर्ष 2022 में 4, वर्ष 2023 में 4 और वर्ष 2024 में 7 प्रकोप दर्ज किए गए।

(ग) एलएचडीसीपी के तहत टीकाकरण अभियान सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में किया जाता है, जिसमें सभी ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचते हुए ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्र शामिल हैं। दिनांक 19.03.2025 तक महाराष्ट्र में लगभग 9.21 करोड़ एफएमडी टीके, 28.01 लाख ब्रुसेला टीके, 2.27 करोड़ पीपीआर टीके और 1.51 लाख सीएसएफ के टीके लगाए गए हैं।

(घ) विभाग ने एफएमडी, ब्रुसेला, पीपीआर और सीएसएफ वैक्सीन के क्वालिटी वैक्सीन परीक्षण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित की है। राज्यों को टीकों के लिए अपेक्षित कोल्ड चेन बनाए रखने में सहायता की जाती है।

(ङ) महाराष्ट्र राज्य द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र में 4853 पशु चिकित्सा संस्थान हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में पशुधन स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एलएचडीसीपी और राज्य योजना से 153 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां (एमवीयू) तैनात की गई हैं।

(च) और (छ) पशुपालन राज्य का विषय है, और पशु चिकित्सा सुविधाओं की स्थापना और जनशक्ति की भर्ती संबंधित राज्य और संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) के अधिकार क्षेत्र में आती है। भारतीय पशु चिकित्सा व्यवसायी रजिस्टर (दिनांक 31.02.2024) के अनुसार पशु चिकित्सकों की संख्या 87914 है। पिछली संगणना (20वीं पशुधन संगणना) के अनुसार देश में पशुधन की आबादी लगभग 53.7 करोड़ है। इसलिए, पशुधन-से-पशु चिकित्सक का अनुपात लगभग 6108:1 है। नीति आयोग की वर्ष 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्येक 5000 पशुओं के लिए एक पशु चिकित्सक/संस्था की आवश्यकता है।

(ज) दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना संबंधित राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। एलएचडीसीपी के तहत टीकों और नैदानिक सुविधाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की रूपरेखा इस प्रकार है:

i. पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) योजना के तहत खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस, पीपीआर और सीएसएफ के लिए टीकाकरण के साथ-साथ सीरो-निगरानी और सीरो-मॉनिटरिंग के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 100% वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

ii. एलएचडीसीपी के पशु रोग नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी) के तहत, केंद्र और राज्य के बीच 60:40, पर्वतीय और उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए 90:10 और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए 100% निधियन पैटर्न के साथ राज्य प्राथमिकता वाले विदेशी, आकस्मिक और जूनोटिक पशु रोगों के नियंत्रण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। प्रयोगशालाओं की स्थापना और सुदृढ़ीकरण, अनुसंधान एवं नवाचार, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के लिए भी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

iii. संबंधित राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के लिए FMD, ब्रुसेलोसिस, PPR तथा CSF के लिए टीकों की खरीद और आपूर्ति केंद्रीय स्तर पर की जाती है।

iv टीकों की आपूर्ति और उपयोग की नियमित रूप से निगरानी की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीकों की कोई कमी न हो।

******